P-535

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-507

पंचांग एवं मुहूर्त्त-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. पंचांग किसे कहते हैं। भारतीय समाज में पंचांग की आवश्यकता पर बल देते हुए इसकी वैज्ञानिकता सिद्ध करें।

2. सोलह संस्कारों का सामान्य परिचय देते हुए विवाह संस्कार की विस्तृत विवेचना करें।

3. विद्यारम्भ एवं उपनयन संस्कार की वैज्ञानिकता सिद्ध करते हुए विस्तृत व्याख्या करें।

4. कर्णवेध संस्कार क्यों आवश्यक है? प्रकाश डालें।

5. शास्त्रोक्त विधि से यात्रा मुहूर्त्त के विषय में विस्तृत उल्लेख करें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. मुहूर्त्त किसे कहते हैं, स्पष्ट करें।

2. नामकरण मुहूर्त्त से क्या तात्पर्य है, स्पष्ट करें।

3. षष्टी से दशमी तिथि परक निर्णय का प्रतिपादन कीजिए।

4. श्राद्ध किसे कहते हैं स्पष्ट करें। श्राद्ध का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है, उल्लेख करें।

5. योग एवं करण का उल्लेख करते हुए योग एवं करण की वर्तमान जीवन में क्या भूमिका है? स्पष्ट करें।

6. व्रत के विषय में क्या वैज्ञानिकता है, स्पष्ट करते हुए उल्लेख करें।

7. शास्त्रोक्त दृष्टि से गृह प्रवेश कब करना चाहिए? विस्तृत उल्लेख करें।

8. सीमन्तोन्नयन संस्कार के ऊपर प्रकाश डालते हुए उल्लेख करें।